Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding development of water saving irrigation techniques in the country -laid.

श्री अजय मिश्र टेनी (खीरी) : वर्षा से पहले देश के विभिन्न भागों से पेयजल सहित सिंचाई के पानी का संकट बढ़ रहा है । वहीं वर्षा के भी उम्मीद से कम रहने की संभावना विशेषज्ञों द्वारा व्यक्त की गई है । नीति आयोग ने भी पानी के संकट को एक चुनौती बताया है । गंभीर जल संकट को रेखांकित करते हुये इसके कई कारण बताये गये हैं, समस्या के हल के लिए कारण के साथ निवारण पर विचार करना चाहिए ।

अभी माननीय प्रधानमंत्री जी ने इस विषय की गंभीरता व हल निकालने हेतु देशभर की सभी ग्राम सभाओं के सरपंचों को पत्र लिखा व उनके आवाहन पर पूरे उ0प्र0 की सभी ग्राम सभाओं में 22 जून को जल संरक्षण हेतु कार्यक्रम भी हुये ।

जल संकट वाले क्षेत्रों में अधिक पानी की जरूरत वाली फसलें न बोई जायें, क्योंकि उक्त क्षेत्रों में ऐसी फसलें भूमिगत जल का दोहन करके उगायी जाती हैं जिसके कारण जलस्तर नीचे चला जाता है व जल सकंट गंभीर हो जाता है । जिसके उदाहरणस्वरूप हम महाराष्ट्र व पंजाब का उदाहरण ले सकते हैं ।

मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि यदि जरूरी हो नियम कानून बनाने के साथ ही कम पानी से सिंचाई के तरीके विकसित करने के साथ ही पानी की बचत करने के साथ ही उसे दूषित होने से बचाने के तरीके भी विकसित करने होंगे ।